UPSC 2015

HINDI

(Compulsory)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

All questions are to be attempted.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answer must be written in HINDI (Devanagari script) unless otherwise directed in the question.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर *600* शब्दों में निबन्ध लिखिए : 100

(a) युवाओं में बढ़ता तनाव

(b) असफलता सफलता पाने का अगला कदम है

(c) क्या पढ़ने की आदत में गिरावट आ रही है?

(d) समाज में अंधविश्वासों से चलता संघर्ष

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर स्पष्ट, सही और संक्षिप्त भाषा में दीजिए : 12×5=60

रिपोर्ट्स बताती हैं कि भारत के कॉलेजों से आने वाले 80 प्रतिशत लोग रोजगार के अयोग्य हैं। युवा-पीढ़ी के सम्पर्क में रहने वालों में से एक, मैं किन्तु सिर्फ इन आँकड़ों से असहमत होऊँगा। युवाओं से सम्पर्क के आधार पर मैं केवल इतना कह सकता हूँ कि उनमें करीब 90 प्रतिशत इसलिए रोजगार के अयोग्य हैं क्योंकि वे एकदम अनिश्चित व अनुत्तरदायी हैं। युवा लोग, कहीं पार्श्व में रहते हुए गलतियों की शुरुआत गलत-व्यवहार से भरे विश्वास के साथ करते हैं। वे बहुत पैसा तो बनाना चाहते हैं किन्तु बिना कुछ किए हुए ही। ऐसा नहीं है कि वे बेकार हैं, अधिकांश अच्छी अंग्रेजी बोलते हैं और अपने बारे में विश्वास से भरे हैं। वे नवीनतम रिंगटोन्स, फिल्मों और चुटकुलों के जानकार हैं लेकिन जैसे ही कोई थोड़ा आगे बढ़ता है तो वे अपनी रिक्त आँखों से मुझे घूरने लगते हैं। वे बहुत पैसा कमाना चाहते हैं, जिसके लिए मीडिया-हाइप और नियमित प्रकाशित होने वाले वेतन-सर्वों को धन्यवाद, लेकिन उनके पास वो दक्षता नहीं है जो कि उनको इस प्रकार से पैसा अर्जन करने में मदद करे। उनकी डिग्री का लिहाज करते हुए स्नातक-स्तर के विषयों के कुछ प्रश्न पूछें, उनमें से अधिकांश एकदम हकलाने-से लगते हैं। और, अतिरिक्त पढ़ाई के विषय में, कोई भी किसी निष्कर्ष को नहीं पढ़ पाता है। लेकिन यहाँ कुछ और प्रश्न भी हैं। सदाचार और व्यवहार के बारे में प्रश्न, आप में क्या अच्छा है, आप अपना अतिरिक्त समय कैसे व्यतीत करते हैं, और तब ये आश्वस्त लड़के व लड़कियों के समूह मेरे को इस संशय से ग्रस्त दिखलाई पड़ते हैं—"मुझे इन प्रश्नों का क्या उत्तर देना चाहिए?" उनको यह कहना उचित नहीं है कि यह उनकी अपनी जिंदगी है और उनको अपने बारे में मुझे बतलाना चाहिए, क्योंकि वो हमेशा बने-बनाए तैयार उत्तर देना चाहते हैं, ऐसा कहना जो उनको सहायता देते हुए इससे मुक्त करे। वे कहते हैं कि—"यदि मैं यह अभ्यास पर्याप्त मात्रा में करूँ, तो मैं ऐसा जरूर सिद्ध करूँगा।" इस तरह युवा लोग रातोंरात लोलुप पाठक, गिटार-वादक, स्टार-बल्लेबाज और यहाँ तक कि अभिनेता तक हो जाते हैं। मुझे आश्चर्य है यदि कोई नासमझ भेंटकर्ता उनकी आधी-अधूरी कहानियों पर विश्वास करे।